नव भारत
1934 से

5 भारत-फिनलैंड के बीच में कई समझौते

5 इजराइल के खिलाफ कभी नहीं जाएंगे पुतिन

7 95 लाख बैरल कच्चा तेल रूस से आएगा

10 वैष्णवी अडकर और अंकिता रैना क्वार्टर फाइनल में

ईरान के कई ठिकानों पर हमले

अमेरिका ने ईरान के मोबाइल मिसाइल लॉन्च ट्रक को उड़ाया

12 सौ 30 पहुंची ईरान में मरने वालों की संख्या

87 सैनिकों की मौत, ईरानी युद्धपोत पर हमला

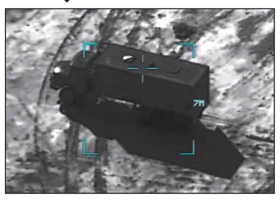

तेहरान, वॉशिंगटन, 05 मार्च. ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल हमले का आज छठा दिन है. इजराइली और अमेरिकी सेनाओं ने गुरुवार को भी ईरान के अहम ठिकानों पर मिसाइलें दागीं. ईरान के इजराइल और गल्फ देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के साथ अन्य जगहों पर भी हमले जारी हैं. इजराइल ने आतंकी संगठन हमास के कमांडो को मार गिराया.

28 फरवरी को शुरू हुई इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई की मौत हो चुकी है. अमेरिका-इजराइल तीन दिन में 2000 से ज्यादा बम गिरा चुके हैं. इससे पहले अमेरिका ने भारत से लौट रहे एक ईरानी युद्धपोत देना को श्रीलंका के पास हमला कर डुबा दिया है. हमले में अब तक 87 ईरानी नौसैनिक मारे गए हैं. यह जानकारी श्रीलंकाई सरकार ने दी है. अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी ने ईरानी जहाज को टॉरपीडो से निशाना बनाकर डुबा दिया. श्रीलंका की नेवी ने 32 घायल नौसैनिकों का रेस्क्यू कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है.

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,230 हो गई है. शनिवार से जारी हमलों में कई शहरों में भारी तबाही हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं. राहत और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं. ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हमलों का दायरा लगातार बढ़ रहा है. इससे पहले विभिन्न रिपोर्टों में भी सैकड़ों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई थी.

ईरान की तरफ से आए एक आत्मघाती ड्रोन ने अजरबैजान के नखचिवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया है. इस भयानक हमले में एयरपोर्ट के टर्मिनल पर जोरदार धमाका हुआ, जिसमें दो बेकसूर नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए और चारों तरफ चीख-पुकार मच गई. यह हमला सिर्फ एयरपोर्ट तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि एक दूसरा ड्रोन पास के ही एक स्कूल के पास जा गिरा, जिससे मासूम बच्चों में दहशत फैल गई. अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने इस घटना को अंतरराष्ट्रीय नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाना बताया है.

अमेरिका-ईरान युद्ध पर प्रधानमंत्री मोदी की दो टूक

कहा- हर मुद्दे का हल सिर्फ आर्मी नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान अमेरिका जंग के बीच दुनिया को संदेश दिया. उन्होंने कहा, किसी भी मसले का हल सिर्फ सेना नहीं कर सकती है. पीएम मोदी ने ये बयान रूस- यूक्रेन और ईरान- अमेरिका और इजरायल के बीच हो रही जंग को लेकर दिया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नियम-कानून, संवाद और कूटनीति ही किसी भी संघर्ष को सुलझाने का सही रास्ता है. यह बात उन्होंने गुरुवार को दिल्ली में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही है. पीएम मोदी ने वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया को अब पुरानी वैश्विक संस्थाओं में सुधार की सख्त जरूरत है.

सीनेट ने युद्ध रोकने का प्रस्ताव किया खारिज

अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर सैन्य हमले जारी रखने के अधिकार को सीमित करने के उद्देश्य से लाए गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया. डेमोक्रेट टिम केन और रिपब्लिकन रैंड पॉल द्वारा पेश किए गए इस द्विदलीय विधेयक में यह प्रावधान था कि जब तक कांग्रेस इस अभियान को अधिकृत नहीं करती, तब तक ईरान के खिलाफ शत्रुता से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाना अनिवार्य होगा, लेकिन कांग्रेस के ऊपरी सदन में रिपब्लिकन पार्टी के पास 53-47 का बहुमत होने और इजरायल के साथ ईरान पर हमला करने के राष्ट्रपति के फैसले का बड़े पैमाने पर समर्थन करने के कारण, प्रस्ताव ठीक उसी अंतर से पारित नहीं हो सका.

भारत ने खामेनेई की मौत पर जताया शोक

भारत ने पहली बार ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया है. भारत सरकार की ओर से विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास जाकर खामेनेई के निधन पर संवेदना जताई. उन्होंने कंडोलेंस बुक (शोक पुस्तिका) पर हस्ताक्षर कर श्रद्धांजलि दी. बता दें कि अमेरिका-इजराइल के हमले में 28 फरवरी को खामेनेई की मौत हो गई थी. ईरान ने एक दिन बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की थी. खामेनेई के निधन के बाद दुनियाभर के कई देशों से शोक संदेश भेजे जा रहे हैं.

ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता को तैयार हैं : रूस

मास्को. रूस अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को रूकवाने के वास्ते मध्यस्थता करने के लिए तैयार है. वियना स्थित अंतरराष्ट्रीय संगठनों में रूस के स्थायी प्रतिनिधि मिखाइल उल्यानोव ने कहा है कि अगर जरूरत पड़ी तो रूस ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता में मध्यस्थ बनने के लिए तैयार है. उन्होंने रूसी अखबार इज़वेस्टिया से कहा कि बेशक अगर जरूरत पड़ी तो रूस मध्यस्थता करने के लिए तैयार है. उन्होंने कहा कि हालांकि अभी अमेरिका-ईरान के बीच दोबारा बातचीत शुरू होना मुश्किल लग रहा है, लेकिन दोनों तरफ के मुख्य मकसद सैन्य बल से हासिल नहीं किये जा सकते. श्री उल्यानोव के मुताबिक ईरान रूस की मध्यस्थता का स्वागत करेगा.

कोलकाता-दुबई की उड़ानें दोबारा शुरू

4 दिन बंद पड़ी कोलकाता-दुबई की उड़ानें गुरुवार से दोबारा शुरू की गई हैं. अधिकारियों ने कहा कि दुबई की फ्लाइट गुरुवार सुबह एयरपोर्ट पर लैंड हुई. इसमें 130 यात्री थे. बोइंग 737 मैक्स वाला यह प्लेन यहां से 55 यात्रियों को लेकर दुबई रवाना हुआ.

विकास का आधार है जल गंगा संवर्धन अभियान : सीएम

- जल गंगा संवर्धन अभियान के संबंध में दिए निर्देश
- प्रमुख उपलब्धियों और कार्ययोजना पर चर्चा
- वर्चुअली शामिल हुए सभी जिलों के कलेक्टर

भोपाल, 05 मार्च. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में गुरुवार को बैठक को संबोधित कर रहे थे. बैठक में वर्ष 2025 के जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रमुख उपलब्धियों और वर्ष-2026 की कार्ययोजना पर चर्चा हुई.

मुख्यमंत्री ने कहा है कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल पर्यावरण नहीं, विकास का आधार भी है. यह भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने का भी एक प्रयास है. अभियान अंतर्गत संचालित हर गतिविधि में राज्य से ग्राम स्तर तक जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना आवश्यक है. भू-जल स्त्रोतों के दोहन से गिरते भू-जल स्तर, प्राचीन जल संग्रहण संरचनाओं के क्षरण और नदियों के कम होते प्रवाह का प्रभाव सभी पर पड़ रहा है. इस स्थिति में सुधार के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करना होगा. प्रदेश में पिछले जल गंगा संवर्धन अभियान के सुखद परिणाम प्राप्त हुए हैं.

19 मार्च से प्रारंभ होगा राज्य स्तरीय अभियान

बैठक में बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान वर्ष प्रतिपदा 19 मार्च से एक साथ आरंभ किया जाएगा. प्रदेश के सभी जिलों में विक्रम संवत् और पर्यावरण, जलीय संरचनाओं के संरक्षण व संवर्धन पर गतिविधियां संचालित होंगी. अभियान के अंतर्गत 23 से 24 मई तक भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन होगा, 25 से 26 मई तक शिप्रा परिक्रमा यात्रा, 26 मई को गंगा दशहरा के अवसर पर शिप्रा तट उज्जैन में महादेव नदी कथा, 30 मई से 7 जून तक भारत भवन भोपाल में सदानीरा समागम होगा.

वर्ष-2026 के अभियान में भी हमें जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को प्रभावी और परिणामूलक बनाना है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभारी मंत्री जिला स्तर पर जल गंगा संवर्धन अभियान को नेतृत्व प्रदान करें. सांसद, विधायक, पंचायत, नगरीयनिकाय के सभी प्रतिनिधि सक्रियता से अभियान में सहभागिता करें. मैदानी स्तर पर कार्य कर रहे स्वयंसेवी संस्थाओं और सीएसआर संगठनों को भी जनसहभागिता संबंधी गतिविधियों में जोड़ा जाए.

एक नजर में

नेपाल में 60 प्रतिशत वोटिंग, आज आएंगे नतीजे

काठमांडू. नेपाल में आम चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक वोटिंग हुई. रात 12 बजे से काउंटिंग शुरू होगी. चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 60 प्रतिशत वोटिंग हुई. चुनाव के नतीजे शुक्रवार को घोषित किए जाएंगे. प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने काठमांडू के धापासी स्थित मतदान केंद्र पर वोट डाला था. उन्होंने कहा कि अब उनका रोल पूरा हो चुका है. उन्होंने कहा कि यह चुनाव देश का भविष्य तय करने वाला है. नेपाल चुनाव पर दुनिया के कई देशों की नजर है, क्योंकि सितंबर 2025 में युवाओं के हिंसक प्रदर्शनों के बाद यह पहला आम चुनाव है. तब तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार गिर गई थी.

चुनाव से पहले बंगाल के गवर्नर ने दिया इस्तीफा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, उनके इस्तीफे की वजहों का पता नहीं चल पाया है. इस्तीफा देने के बाद वे दिल्ली रवाना हो गए हैं. सीवी आनंद बोस 3.5 वर्षों से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे. तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को बंगाल की भी अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है. बता दें कि पश्चिम बंगाल में इसी वर्ष अप्रैल-मई में चुनाव होने को हैं. इस बीच ये घटनाक्रम सामने आया है. बता दें कि सीवी आनंद बोस केरल के कोट्टायम के रहने वाले हैं. उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी पीके वासुदेवन नायर थे. वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अनुयायी थे. इसलिए उनके नाम में बोस जोड़ा गया. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीवी आनंद बोस के इस्तीफ़ की अचानक आई खबर पर हैरानी जताई है.

नीतीश कुमार जाएंगे राज्यसभा

- अमित शाह की मौजूदगी में भरा नामांकन
- एनडीए के 5 उम्मीदवारों ने नामांकन किया दाखिल

पटना, 05 मार्च. बिहार की राजनीति में गुरुवार का दिन काफी अहम रहा, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित एनडीए के पांच उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया.

इस मौके पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भी विधानसभा परिसर में मौजूद रहे. नामांकन के दौरान एनडीए के कई वरिष्ठ नेता और विधायक भी उपस्थित रहे. राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन करने वालों में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा शामिल रहे. तीनों राष्ट्रीय अध्यक्षों का एक साथ राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना बिहार की राजनीति में एक अनोखा और ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है. इसके अलावा जदयू की ओर से केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर और भाजपा के प्रदेश महामंत्री शिवेश कुमार ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. नामांकन कार्यक्रम के दौरान जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह, मंत्री बिजेंद्र यादव, श्रवण कुमार सहित एनडीए के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे.

पांच लाख का इनामी एरिया कमांडर मुठभेड़ में ढेर

दंतेवाड़ा. छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले की सीमा से सटे जंगल-पहाड़ी इलाके में पुलिस और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया है. मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में स्वचालित हथियार और नक्सली सामग्री बरामद की गई है. मारे गए नक्सली की पहचान आत्मसमर्पित नक्सली ने की है. नक्सली एरिया कमेटी मेंबर था, जिस पर पांच लाख का ईनाम घोषित था. यह मुठभेड़ बुधवार रात लगभग 8.30 से 9.00 बजे के बीच थाना गीदम क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुमलनार, गिरसापारा और नेलगोड़ा के मध्य जंगल-पहाड़ क्षेत्र में हुई. पुलिस को नक्सली सामग्री एवं हथियार के जखीरा होने की विश्वसनीय सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक राहुल कुमार ऊईके के नेतृत्व में डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के जवानों को रवाना किया गया था.

रायसीना डायलॉग 2026 में शामिल हुए पीएम

नई दिल्ली, 05 मार्च. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग 2026 में शामिल हुए. प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा रायसीना डायलॉग 2026 के उद्घाटन सत्र में शामिल हुआ. फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब का ज्ञानवर्धक भाषण सुना, जिसमें उन्होंने कई विषयों पर बात की.

बता दें कि भारत का प्रमुख भू-राजनीति और भू-अर्थव्यवस्था सम्मेलन, रायसीना डायलॉग का 11वां संस्करण शुरू हुआ. यह आयोजन 7 मार्च तक चलेगा. यह 2016 से हर साल आयोजित किया जाता है. साल 2016 से हर वर्ष आयोजित होने वाला यह सम्मेलन ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा विदेश मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जाता है. रायसीना डायलॉग में दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, सरकार प्रमुख, विदेश मंत्री, नीति-निर्माता, विशेषज्ञ, उद्योगपति, अकादमिक और पत्रकार भाग ले रहे हैं. यह मंच भू-राजनीतिक गठबंधनों, जलवायु परिवर्तन, प्रौद्योगिकी, आर्थिक सुरक्षा, वैश्विक शासन और इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा के लिए जाना जाता है. जानकारी के लिए बता दें, इस संस्करण में कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हस्तियां शामिल हो रही हैं. यह सम्मेलन वैश्विक नेताओं के बीच विचार-विमर्श का महत्वपूर्ण मंच साबित होता है.

परिवर्तन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय मुख्यमंत्री के रेस में आगे

बिहार की राजनीति में नीतीश युग का अवसान

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 05 मार्च. बिहार की राजनीति में पिछले दो दशकों से सत्ता के ध्रुव रहे नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर कदम बढ़ाना महज एक पद का परिवर्तन नहीं, अपितु एक युग का अंत है. हालांकि कुछ लोग नीतीश के निर्णय को महज एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों की उस दीर्घकालिक योजना के हिस्से के तौर पर देख रहे हैं, जिस पर वे पिछले कई वर्षों से काम कर रहे थे.

नीतीश युग के इस औपचारिक समापन ने बिहार में भाजपा के लिए उस जगह को पूरी तरह खोल दिया है, जिसकी तलाश में भाजपाई रणनीतिकार 1990 के दशक से लगे थे. राजनीतिक जानकारों की मानें तो नीतीश युग का अंत बिहार के लिए कई चुनौतियां और अवसर एक साथ लेकर आया है, जहां एक तरफ सवाल है कि क्या जदयू नीतीश के बगैर अपनी प्रासंगिकता बचा पाएगी? क्या भाजपा या राजद जैसे दल उस शून्य को भर पाएंगे जो नीतीश के जाने से पैदा होगा? बिहार की जनता अब एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है, जो नीतीश के विकास कार्यों को आगे बढ़ा सके और जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर प्रदेश को आर्थिक समृद्धि की ओर ले जाए.

जानकार बता रहे हैं कि भाजपाई रणनीतिकारों ने बहुत ही नपे-तुले अंदाज में नीतीश कार्ड को खेला है. एक तरफ नीतीश को केंद्र की राजनीति में सम्मानजनक विदाई देकर एनडीए की एकजुटता का संदेश दिया गया, तो दूसरी तरफ बिहार में नेतृत्व के उस शून्य को भरने की तैयारी कर ली गई है, जो नीतीश के हटने से पैदा हुआ है. भाजपा की यह रणनीति मिशन बिहार के उस लक्ष्य को साधने की दिशा में बड़ा कदम है, जहां पार्टी अब छोटे भाई की भूमिका से निकलकर राज्य की मुख्य सत्ताधारी शक्ति बनना चाहती है. हालांकि भाजपाई रणनीतिकारों के सामने नीतीश के राजनीतिक कद के समान विकल्प पेश करने की चुनौती है, इसलिए नए नेतृत्व के चयन में भाजपा अनुभव के साथ-साथ जातीय समीकरण को साधने के लिए दर्जनों नाम पर बहुस्तरीय विमर्श कर रही है. चर्चा है कि भाजपा नए नेतृत्व के चयन में नीतीश की सहमति को प्राथमिकता देगी, जिससे बहुस्तरीय समीकरणों को संतुलित करते हुए विपक्षी खेमे को किसी तरह का मौका नहीं दिया जा सके.

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा, केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, वरिष्ठ विधायक प्रेम कुमार का नाम मुख्यमंत्री के रेस में आगे चल रहा है तथा जदयू खेमे की ओर से नीतीश के पुत्र निशांत को उपमुख्यमंत्री बनाने को लेकर चर्चा है. बहरहाल, नीतीश का राज्यसभा के लिए नामांकन बिहार की समकालीन राजनीति की सबसे बड़ी घटना के रूप में दर्ज होगा. यह केवल एक मुख्यमंत्री का संसदीय सदन बदलना मात्र नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक शैली और कार्यकाल का समापन है जिसने 21वीं सदी के बिहार की दिशा तय की. नीतीश के कार्यकाल को उनके उन साहसिक और ऐतिहासिक निर्णयों के लिए याद किया जाएगा, जिन्होंने सामाजिक ढांचे को प्रभावित किया.

52 किलो सोना अब सरकारी खजाने में होगा जमा

- करोड़ों की नकदी भी की जाएगी जमा
- सौरभ शर्मा और उसका सहयोगी है मामले में आरोपी

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 05 मार्च. कार में मिले 52 किलो सोने और करोड़ों की नकदी को अब सरकारी खजाने में जमा किया जाएगा. इस मामले में आरटीओ का पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसका सहयोगी आरोपी है.

जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग ने इस बेनामी निषेध इकाई की कार्रवाई को सही बताया है. एडजुडिकेटिंग अथॉरिटी ने सोने का वास्तविक मालिक भी सौरभ शर्मा को बताया है. जांच एजेंसियों के मुताबिक वर्तमान समय में बरामद सोने और नकदी का मूल्य करीब 100 करोड़ रुपए आंका गया है. अथॉरिटी के फैसले के बाद अब जल्द ही इसकी जब्ती की कार्रवाई की जाएगी. करीब साल भर पहले भोपाल के मेंडोरी में एक अज्ञात कार से 11 करोड़ रुपए कैश और 51.8 किलो सोना जब्त किया गया था. लोकायुक्त, प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग की टीमों ने मामले में कार्रवाई की थी. पुलिस की कार्रवाई के दौरान आरटीओ का करोड़पति पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों का नाम सामने आया था. 18 और 19 दिसंबर 2024 की रात को यह कार मिली थी.